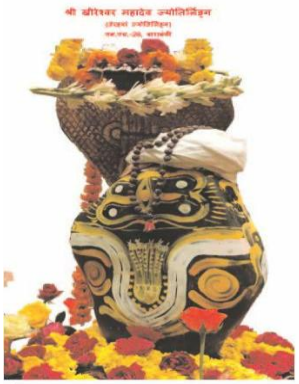

दैनिक

राष्ट्रीय प्रस्तावना

गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, झांसी, एटा, औरैया, अमेठी, बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, श्रावस्ती, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, ललितपुर, गोण्डा, सहारनपुर, सिद्धार्थनगर, सन्तकबीरनगर, नोयडा सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्ष : 8 अंक : 63 | लखनऊ, गुरुवार 20 सितम्बर, 2018 | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2.00

स्वच्छता अभियान में जूट के बैग बाटते डा.भरत राज सिह

राष्ट्रीय प्रस्तावना

पर्यावरण के सुरक्षा मे घातक साबित हो रही पालीथीन के इस्तेमाल को रोकने के लिये विरामखड मे रह रहे प्रो0 भरत राज सिहए जो स्कूल ओफ मैंनेजमेंट साइंसेजए लखनऊ के महानिदेशक हैए पिछले दस वर्षो से जागरूकता अभियान चला रहे है । इसके तहत वह लोगो को पालीथीन का उपयोग बंद करने और कपडेए जूट और कागज के थैले का इस्तेमाल करने के लिये प्रोत्साहित कर रहे है । डा0 भरत राज सिहए उत्तर.प्रदेश राजकीय निर्माण निगम से वर्ष 2004 मे प्रबंध.निदेशक के पद से सेवानिवृत होने के बाद प्रदूषण से पर्यावरण को बचाने का संकल्प लिया तथा जूट के बैग के उपयोग को बढावा देना शुरू किया । गोमतीनगर के विराम खंड.5 मे घर.घर जाकर जूट व कपडे के बैग बाटने लगे । कुछ दिनो मे उनके साथ कालोनीके दूसरे वुजुर्ग लोग भी इनके इस अभियान मे साइल हो गये । डा0 भरत सिह कहते है कि लखनऊ की आबादी लगभग 43 लाख है और करीब 25.30 करोड बैग का इस्तेमाल प्रतिमाह किया जा रहा है। इससे जमीनए पानी और हवा सब प्रदूषित होती है। इसका खामियाजा आनेवाली पीढी को उठाना पडेगा ।

डा0 सिह का कहना है कि पालीथीन सडको से नालो से जाता है, जो शहर का ड्रैनेज सिस्टेम चौपट करता है । जानवर भी पालीथीन खा जाते है । इन सब कॉ रोकने के लिये ही उन्होने लोगो को धर.घर जाकर जूट व कपडे के थैले के फायदे बताने शुरू किए । वह लोगो को अपनी गाडी या स्कूटर मे हमेशा एक जूट या कपडे के बैग रखने और खानेदूपीने की चीजो को कागज या पत्ते की प्लेटो मे लेनेके लियेजागरूक करते है । साथ ही वह लोगो को पालीथीन के उपयोग के खतरो के बारे मे जानकारी देते है । दुकानो पर जूट से बने बैग की संख्या बढाने के लिये इसके उत्पादन मे नई.नई डिजाइन की

सलाह देते है और अपना पैसा भी लगाते है। कालोनी के लोग इनकी इस मुहिम मे बढ.चढकर भाग ले रहे है । आज जब भारत सरकार ने स्वच्छता पखवारा मना रहा है तो डा0 सिह ने कपास या जूट बैग के इस्तेमाल जो बायोडिग्रेडेबल 'स्वाभाविक तरीके से नष्ट होने वाला हैए को बढावा दे रहे है और विराम.5, गोमती नगर के वरिष्ठ नागरिको को खादी.आश्रम के थैले जिसपर राष्ट्रपिता गांधी जी का संदेश लिखा हैए श्खादी वस्त्र नहीए संदेश है को बाटा ।

उनका यह मानना है कि लोगो द्वारा यदि इसे अपनालिया जाय तो शहर मे आधे से ज्यादा कूडे का संकट समाप्त हो जायेगा । आज एस0एम0एस0 मे एक तरफ जहाँ विश्वकर्मा की जयंती जहा धूम.धाम से मनाई गई वही छात्र.छात्राओ मे स्वच्छता अभियान के साथ.साथ प्राकृतिक संसाधनो से बने थैले का उपयोग करने की सलाह दिया ।